समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

IndiGo उड़ान संकट : DGCA ने पायलट ट्रेनिंग और सुरक्षा निगरानी के लिए जिम्मेदार 4 फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर्स को निलंबित किया

Sanket Morankar Published on 12 Dec 2025

भारत की अग्रणी घरेलू एयरलाइन IndiGo बीते कई दिनों से गंभीर परिचालन संकट का सामना कर रही है। हजारों उड़ानों के रद्द होने के चलते जहां यात्रियों में भारी रोष देखने को मिला, वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने अब इस मामले में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। DGCA ने पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा निरीक्षण और संचालन अनुपालन की जिम्मेदारी संभालने वाले **चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर्स (FIOs)** को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

यह कार्रवाई IndiGo में उत्पन्न संकट और परिचालन निगरानी में गंभीर चूक के संकेत के बाद की गई है। कई दिनों से जारी परिचालन व्यवधानों ने न केवल यात्रियों को प्रभावित किया, बल्कि देश के विमानन तंत्र की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिसंबर की शुरुआत से IndiGo ने अचानक बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करना शुरू कर दिया।

- करीब **5,000 से अधिक उड़ाने** देशभर में रद्द की गईं।
- एक ही दिन में **1,600 तक उड़ाने** रंद्द होने जैसी स्थिति भी सामने आई।
- दिल्ली और बेंगलुरु जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई।

बिजनेस यात्राएँ, मेडिकल आपात यात्राएँ और परीक्षा-इंटरव्यू से जुड़े यात्रियों की योजनाएँ गंभीर रूप से प्रभावित हुईं। एयरपोर्ट्स पर घंटों तक फंसे यात्रियों ने जानकारी के अभाव और सहायता में कमी की शिकायतें भी दर्ज कीं।

विमानन क्षेत्र में पायलटों की ड्यूटी और आराम समय निर्धारित करने वाले **Flight Duty Time Limitations (FDTL) Phase 2** नियम नवंबर में लागू हुए थे।

इसके तहत:

- पायलटों की अधिकतम ड्यूटी समय सीमा घटाई गई
- विश्राम अवधि बढ़ाई गई
- रात और सुबह की उड़ानों पर विशेष प्रावधान लागू हुए

IndiGo इन नए नियमों के अनुसार अपनी क्रू रोस्टरिंग को पुनर्गठित करने में विफल रही। इसी कारण कई उड़ानों के लिए पायलट उपलब्ध नहीं रहे और एयरलाइन को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। सरकार ने इसे "**एयरलाइन की स्पष्ट मिसमैनेजमेंट**" बताया।

चारों फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर्स की जिम्मेदारी थी:

- पायलट प्रशिक्षण की गुणवत्ता की निगरानी
- एयरलाइन द्वारा सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- FDTL जैसे सुरक्षा नियमों के अनुपालन की जांच करना
- परिचालन व्यवस्था पर रिपोर्ट तैयार करना

DGCA को संदेह है कि इन अधिकारियों ने अपनी निगरानी जिम्मेदारी को पर्याप्त गंभीरता से नहीं निभाया, जिसके चलते स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।

इस निलंबन का संदेश भी स्पष्ट है—सुरक्षा और अनुपालन मे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संकट बढ़ने के बाद DGCA ने IndiGo के CEO पीटर एल्बर्स को भी तलब किया है। उनसे निम्नलिखित बिंदुओं पर जवाब मांगा जाएगा:

- FDTL Phase 2 लागू होने से पहले आवश्यक तैयारी क्यों नहीं की गई ?
- क्रू रोस्टरिंग में भारी चूक क्यों हुई ?
- बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों को पर्याप्त सहायता क्यों नहीं दी गई ?
- क्या एयरलाइन ने DGCA और मंत्रालय से समय पर जानकारी साझा की ?

यह बैठक आगे की कार्रवाई और IndiGo के परिचालन भविष्य पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है।

स्थिति संभालने के लिए DGCA अधिकारियों ने खुद IndiGo के मुख्यालय पहुंचकर पूरे संचालन की रियल-टाइम निगरानी की। इस दौरान उन्होंने:

- उड़ान रद्दीकरण डेटा
- पायलट उपलब्धता
- क्रू ड्यूटी शेड्यूल
- तकनीकी रिपोर्ट्स

की विस्तृत जांच की।

सरकार ने इस संकट को गैर-जिम्मेदाराना प्रबंधन का परिणाम मानते हुए कई कदम उठाए:

- IndiGo को अपनी कुल उड़ानों में **10% की कटौती** करने का निर्देश
- रद्द उड़ानों का रिफंड तेज़ गति में देने के लिए आदेश
- अन्य एयरलाइनों को अनुचित किराया बढ़ोतरी से रोकने के निर्देश
- DGCA को 24×7 निगरानी रखने का आदेश

IndiGo अब प्रतिदिन लगभग **1950 उड़ाने** संचालित करेगी, जिसमें प्रतिदिन करीब **3 लाख यात्री** सफर करेंगे।

इस संकट ने यात्रियों की योजनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया।

- बिजनेस मीटिंग्स छूटीं
- मेडिकल इमरजेंसी में देरी हुई
- छात्र परीक्षाओं/इंटरव्यू में नहीं पहुंच पाए
- परिवारिक समारोहों में पहुंचना मुश्किल हुआ

कई यात्रियों ने एयरलाइन स्टाफ के अनुचित व्यवहार और जानकारी की कमी की शिकायत भी की।

DGCA की निगरानी में IndiGo को:

- पायलटों की नई भर्ती
- प्रभावी FDTL अनुपालन
- प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधार
- क्रू प्रबंधन प्रणाली मजबूत करने

जैसे कदम तेजी से उठाने होंगे।

यह कदम न केवल IndiGo बल्कि पूरे विमानन क्षेत्र को भविष्य में ऐसे संकटों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

IndiGo उड़ान संकट भारत के विमानन तंत्र में हाल के वर्षों का सबसे बड़ा परिचालन व्यवधान बनकर सामने आया है। DGCA का चार FIOs को निलंबित करना यह संकेत देता है कि सुरक्षा और अनुपालन से जुड़ी किसी भी चूक को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

सरकार और DGCA की कड़ी निगरानी के बीच आने वाले सप्ताह यह तय करेंगे कि IndiGo कितनी जल्दी सामान्य संचालन में लौट पाती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.